प्रश्न 1. केशव और श्यामा के बीच चिड़िया के बच्चों के बारे में क्या सवाल-जवाब हुए थे?

उत्तर–अंडों से बच्चे कैसे निकलते हैं, इस बारे में केशव और श्यामा के बीच सवाल-जवाब हुए थे। श्यामा ने केशव से कहा–क्यों भई, बच्चे निकलकर फुर्र से उड़ जाएँगे? केशव ने श्यामा को समझाते हुए बड़े गर्व के साथ कहा कि ऐसे नहीं होता। पहले इनके पर निकलेंगे क्योंकि पंखों के बगैर वे नहीं उड़ सकते।

श्यामा ने प्रश्न किया–बेचारी चिड़िया बच्चों को क्या खिलाएगी? केशव के लिए इस प्रश्न का उत्तर देना बहुत मुश्किल था। वह इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. माँ के मना करने पर भी केशव और श्यामा दरवाज़े की सिटकनी खोलकर बाहर क्यों निकल गए थे?

उत्तर–केशव और श्यामा चिड़िया के अंडों को देखना चाहते थे और उनकी हिफाज़त का प्रबंध करना चाहते थे। इसलिए माँ के मना करने पर वे दोनों दरवाज़ा खोलकर बाहर निकल गए थे।

प्रश्न 3. अंडों के टूट जाने के बाद माँ के यह पूछने पर कि–*'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा।'* के जवाब में श्यामा ने क्या कहा और उसने ऐसा क्यों किया?

उत्तर–अंडों के टूट जाने के बाद यह पूछने पर कि 'तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा' के जवाब में श्यामा ने कहा कि भाई ने अंडों को इस तरह रख दिया था कि वे नीचे गिर पड़े। इसलिए इसकी सज़ा इसे मिलनी ही चाहिए। श्यामा ने सबकुछ माँ को इसलिए बता दिया क्योंकि उसके मन में इस बात का रोष था कि केशव ने उसे चिड़िया के अंडे नहीं दिखाए थे।

प्रश्न 4. पाठ के आधार पर बताओ कि अंडे गंदे क्यों हुए और उन अंडों का क्या हुआ?

उत्तर–केशव ने अंडों को छू दिया था। इतना ही नहीं उसने तिनकों पर पड़े अंडों को उठाकर तिनकों के स्थान पर कपड़ा बिछा दिया था। इससे अंडे गंदे हो गए थे।

चिड़िया ने उन अंडों को नहीं सेया। वे अंडे नीचे गिरकर टूट गए और उनमें से चूने का-सा तरल पदार्थ चूने लगा।

प्रश्न 5. दोनों चिड़ियाँ बार-बार कार्निस पर क्यों आती थीं और वहाँ बैठे बिना ही क्यों चली जाती थीं?

उत्तर–कार्निस पर चिड़िया ने अंडे दिए थे। दोनों चिड़ियाँ बार-बार उन अंडों को देखने के लिए आती थीं। लेकिन जब अंडे ही न रहे तो कार्निस पर अंडों को न पाकर वे वहाँ बैठे बिना ही उड़ जाती थीं।

प्रश्न 6. पाठ से मालूम करो कि माँ को हँसी क्यों आई? तुम्हारी समझ से माँ को क्या करना चाहिए था?

उत्तर–केशव और श्यामा ने चुपके-चुपके अंडों और चिड़िया की देखभाल का अच्छा प्रबंध किया। उनके इस प्रबंध से अंडों और चिड़िया को लाभ की बजाए हानि हुई। चिड़िया ने अंडे नहीं सेये। वे नीचे गिरकर टूट गए। जब माँ को केशव और श्यामा की करतूतों का पता चला तो उसने केशव को बहुत डाँटा और कहा कि इस दुष्ट ने तीन जानें ले ली हैं। यह सुन केशव की सूरत रोनी हो गई। माँ ने सोचा कि यदि उसने और कुछ कहा तो केशव रो देगा। अतएव उसने प्रसंग को बदलना ही उचित समझा। इसलिए वह हँस दी। माँ ने जो कुछ किया वह बिलकुल उचित ही था। माँ ने केशव को उसकी गलती का अहसास करवा दिया।

प्रश्न 7. इस कहानी से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर–इस कहानी से यह संदेश मिलता है कि हमें जीव-जंतुओं के जीवन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। इससे वे दुखी होते हैं जैसे केशव ने चिड़िया के अंडे छेड़ दिए तो वे गंदे हो गए जिन्हें चिड़िया ने सेया ही नहीं।

Scanned with CamScanner